## श्रीललिताम्बिकासहस्रनामस्तोत्रम्

| ॐ श्रीमाता श्रीमहाराज्ञी श्रीमित्संहासनेश्वरी | l      |
|---|--------|
| चिदग्निकुराडसम्भूता देवकार्यसमुद्यता          | 11811  |
| उद्यद्धानुसहस्राभा चतुर्बाहुसमन्विता          | 1      |
| रागस्वरूपपाशाढ्या क्रोधाकाराङ्कुशोज्ज्वला     | ાારાા  |
| मनोरूपेनुकोदरडा पञ्चतन्मात्रसायका             | 1      |
| निजारुगप्रभापूरमजद्ब्रह्माग्डमग्डला           | 11311  |
| चम्पकाशोकपुन्नागसौगन्धिकलसत्कचा               | 1      |
| कुरुविन्दमिएश्रेगीकनत्कोटीरमिएडता             | 11811  |
| ग्रष्टमीचन्द्रविभ्राजदलिकस्थलशोभित <u>ा</u>   | 1      |
| मुखचन्द्रकलङ्काभमृगनाभिविशेषका                | ।।५॥   |
| वदनस्मरमाङ्गल्यगृहतोरगचिह्निका                | 1      |
| वक्त्रलद्मीपरीवाहचलन्मीनाभलोचना               | ॥६॥    |
| नवचम्पकपुष्पाभनासादगडविराजिता                 | 1      |
| ताराकान्तितिरस्कारिनासाभरग्गभासुरा            | ।।७।।  |
| कदम्बमञ्जरीक्ऌप्तकर्णपूरमनोहरा                | 1      |
| ताटङ्कयुगलीभूततपनोडुपमरडला                    | 11011  |
| पद्मरागशिलादर्शपरिभाविकपोलभूः                 | 1      |
| नवविद्रुमबिम्बश्रीन्यक्कारिदशनच्छदा           | 11811  |
| शुद्धविद्याङ्कुराकारद्विजपङ्किद्वयोज्ज्वला    | 1      |
| कर्पूरवीटिकामोदसमाकर्षिदिगन्तरा               | १०     |
| निजसल्लापमाधुर्यविनिर्भित्सितकच्छपी           | 1      |
| मन्दस्मितप्रभापूरमजत्कामेशमानसा               | 118811 |
| ग्रनाकलितसादृश्यचुबुकश्रीविराजिता             | 1      |

| कामेशबद्धमाङ्गल्यसूत्रशोभितकन्धरा        | 118511 |
|--|--------|
| कनकाङ्गदकेयूरकमनीयभुजान्विता             | 1      |
| रत्नग्रैवेयचिन्ताकलोलमुक्ताफलान्विता     | 118311 |
| कामेश्वरप्रेमरत्नमिणप्रतिपग्रस्तनी       | 1      |
| नाभ्यालवालरोमालिलताफलकुचद्वयी            | 118811 |
| लद्यरोमलताधारतासमुन्नेयमध्यमा            | 1      |
| स्तनभारदलन्मध्यपट्टबन्धवलित्रया          | ॥१५॥   |
| ग्ररुगारुग्गकौसुम्भवस्त्रभास्वत्कटीतटी   | 1      |
| रत्नकिङ्किशिकारम्यरशनादामभूषिता          | ॥१६॥   |
| कामेशज्ञातसौभाग्यमार्दवोरुद्वयान्विता    | 1      |
| मार्गिक्यमुकुटाकारजानुद्वयविराजिता       | ।।१७।। |
| इन्द्रगोपपरिद्गिप्तस्मरतूू्र्णाभजङ्घिका  | 1      |
| गूढगुल्फा कूर्मपृष्ठजयिष्णुप्रपदान्विता  | ।।३८।। |
| नखदीधितिसञ्छन्ननमजनतमोगुगा               | 1      |
| पदद्वयप्रभाजालपराकृतसरोरुहा              | 118811 |
| शिञ्जानमगिमञ्जीरमगिडतश्रीपदाम्बुजा       | 1      |
| मरालीमन्दगमना महालावरयशेवधिः             | ॥२०॥   |
| सर्वारुगाऽनवद्याङ्गी सर्वाभरगभूषिता      | 1      |
| शिवकामेश्वराङ्कस्था शिवा स्वाधीनवह्नभा   | ॥२१॥   |
| सुमेरुमध्यशृङ्गस्था श्रीमन्नगरनायिका     | 1      |
| चिन्तामिएगृहान्तस्था पञ्चब्रह्मासनस्थिता | ાારશા  |
| महापद्माटवीसंस्था कदम्बवनवासिनी          | 1      |
| सुधासागरमध्यस्था कामाद्ती कामदायिनी      | ॥२३॥   |
| देवर्षिगग्रसंघातस्तूयमानात्मवैभवा        | 1      |
| भगडासुरवधोद्युक्तशक्तिसेनासमन्विता       | 115811 |
| सम्पत्करीसमारूढसिन्धुरव्रजसेविता         | 1      |
|  |        |

| <b>ग्रश्वारूढाधिष्ठिताश्वकोटिकोटिभिरावृ</b> ता | ાારકાા |
|--|--------|
| चक्रराजरथारूढसर्वायुधपरिष्कृता                 | 1      |
| गेयचक्ररथारूढमन्त्रिग्रीपरिसेविता              | ॥२६॥   |
| किरिचक्ररथारूढदगडनाथापुरस्कृता                 | 1      |
| ज्वालामालिनिकाद्विप्तविहप्राकारमध्यगा          | ાારુગા |
| भराडसैन्यवधोद्युक्तशक्तिविक्रमहर्षिता          | 1      |
| नित्यापराक्रमाटोपनिरीद्मणसमुत्सुका             | ॥२८॥   |
| भराडपुत्रवधोद्युक्तबालाविक्रमनन्दिता           | 1      |
| मन्त्रिरयम्बाविरचितविषङ्गवधतोषिता              | ॥२९॥   |
| विशुक्रप्राग्रहरण्वाराहीवीर्यनन्दिता           | 1      |
| कामेश्वरमुखालोककल्पितश्रीगगेश्वरा              | ॥३०॥   |
| महागग्रेशनिर्भिन्नविघ्नयन्त्रप्रहर्षिता        | 1      |
| भगडासुरेन्द्रनिर्मुक्तशस्त्रप्रत्यस्रवर्षिगी   | ॥३१॥   |
| कराङ्गुलिनखोत्पन्ननारायग्रदशाकृतिः             | 1      |
| महापाशुपतास्त्राग्निनिर्दग्धासुरसैनिका         | ॥३२॥   |
| कामेश्वरास्त्रनिर्दग्धसभगडासुरशून्यका          | 1      |
| ब्रह्मोपेन्द्रमहेन्द्रादिदेवसंस्तुतवैभवा       | 113311 |
| हरनेत्राग्निसन्दग्धकामसञ्जीवनौषधिः             | 1      |
| श्रीमद्वाग्भवकूटैकस्वरूपमुखपङ्कजा              | 113811 |
| कराठाधःकटिपर्यन्तमध्यकूटस्वरूपिराी             | 1      |
| शक्तिकूटैकतापन्नकट्यधोभागधारिग्री              | ॥३५॥   |
| मूलमन्त्रात्मिका मूलकूटत्रयकलेबरा              | 1      |
| कुलामृतैकरसिका कुलसङ्केतपालिनी                 | ॥३६॥   |
| कुलाङ्गना कुलान्तस्था कौलिनी कुलयोगिनी         | 1      |
| त्र्रकुला समयान्तस्था समयाचारतत्परा            | ।।३७।। |
| मूलाधारैकनिलया ब्रह्मग्रन्थिविभेदिनी           | 1      |

| मिएपूरान्तरुदिता विष्णुग्रन्थिविभेदिनी  | ।।३८।।               |
|---|----------------------|
| त्र्याज्ञाचक्रान्तरालस्था रुद्रग्रन्थिविभेदिन <u>ी</u>  | 1                    |
| सहस्राराम्बुजारूढा सुधासाराभिवर्षिणी  | 113811               |
| तडिल्लतासमरुचिः षट्चक्रोपरिसंस्थिता   | 1                    |
| महासक्तिः कुराडलिनी बिसतन्तुतनीयसी  | 80                   |
| भवानी भावनागम्या भवारएयकुठारिका   | 1                    |
| भद्रप्रिया भद्रमूर्तिर्भक्तसौभाग्यदायिनी  | 118811               |
| भक्तिप्रिया भक्तिगम्या भक्तिवश्या भयापहा  | 1                    |
| शाम्भवी शारदाराध्या शर्वाग्री शर्मदायिनी  | 118511               |
| शाङ्करी श्रीकरी साध्वी शरचन्द्रनिभानना  | 1                    |
| शतोदरी शान्तिमती निराधारा निरञ्जना  | 118311               |
| निर्लेपा निर्मला नित्या निराकारा निराकुला   | 1                    |
| निर्गुणा निष्कला शान्ता निष्कामा निरुपप्लव  | त्रा ॥४४॥            |
| नित्यमुक्ता निर्विकारा निष्प्रपञ्चा निराश्रया   | 1                    |
| नित्यशुद्धा नित्यबुद्धा निरवद्या निरन्तरा   |                      |
|   | ॥४५॥                 |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा  | ।<br>।               |
|   | ॥४५॥<br>।<br>॥४६॥    |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा  | l                    |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी   | l                    |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी<br>निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी   | ।<br>।।४६॥<br>।      |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी<br>निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी<br>निर्ममा ममताहन्त्री निष्पापा पापनाशिनी   | ।<br>।।४६॥<br>।      |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी<br>निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी<br>निर्ममा ममताहन्त्री निष्पापा पापनाशिनी<br>निष्क्रोधा क्रोधशमनी निर्लोभा लोभनाशिनी  | ।<br>।।४६॥<br>।<br>। |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी<br>निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी<br>निर्ममा ममताहन्त्री निष्पापा पापनाशिनी<br>निष्क्रोधा क्रोधशमनी निर्लोभा लोभनाशिनी<br>निस्संशया संशयघ्री निर्भवा भवनाशिनी   | ।<br>।।४६॥<br>।<br>। |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी<br>निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी<br>निर्ममा ममताहन्त्री निष्पापा पापनाशिनी<br>निष्क्रोधा क्रोधशमनी निर्लोभा लोभनाशिनी<br>निस्संशया संशयघ्री निर्भवा भवनाशिनी<br>निर्विकल्पा निराबाधा निर्भेदा भेदनाशिनी  | <br>                 |
| निष्कारणा निष्कलङ्का निरुपाधिर्निरीश्वरा<br>नीरागा रागमथनी निर्मदा मदनाशिनी<br>निश्चिन्ता निरहङ्कारा निर्मोहा मोहनाशिनी<br>निर्ममा ममताहन्त्री निष्पापा पापनाशिनी<br>निष्क्रोधा क्रोधशमनी निर्लोभा लोभनाशिनी<br>निस्संशया संशयघ्री निर्भवा भवनाशिनी<br>निर्विकल्पा निराबाधा निर्मेदा भेदनाशिनी<br>निर्नाशा मृत्युमथनी निष्क्रिया निष्परिग्रहा | <br>                 |

| सर्वज्ञा सान्द्रकरुणा समानाधिकवर्जिता             | ॥५१॥   |
|---|--------|
| सर्वशक्तिमयी सर्वमङ्गला सङ्गतिप्रदा               | 1      |
| सर्वेश्वरी सर्वमयी सर्वमन्त्रस्वरूपिग्री          | ાાકરાા |
| सर्वयन्त्रात्मिका सर्वतन्त्ररूपा मनोन्मनी         | 1      |
| माहेश्वरी महादेवी महालद्मीर्मृडप्रिया             | ।।५३।। |
| महारूपा महापूज्या महापातकनाशिनी                   | 1      |
| महामाया महासत्त्वा महाशक्तिर्महारतिः              | ॥५४॥   |
| महाभोगा महैश्वर्या महावीर्या महाबला               | 1      |
| महाबुद्धिर्महासिद्धिर्महायोगेश्वरेश्वरी           | ।।५५॥  |
| महातन्त्रा महामन्त्रा महायन्त्रा महासना           | 1      |
| महायागक्रमाराध्या महाभैरवपूजिता                   | ।।५६॥  |
| महेश्वरमहाकल्पमहाताग्डवसाद्गिगी                   | 1      |
| महाकामेशमहिषी महात्रिपुरसुन्दरी                   | ।।५७।। |
| चतुःषष्ट्युपचाराढ्या चतुःषष्टिकलामयी              | 1      |
| महाचतुःषष्टिकोटियोगिनीगग्रसेविता                  | ।।५८।। |
| मनुविद्या चन्द्रविद्या चन्द्रमरहलमध्यगा           | 1      |
| चारुरूपा चारुहासा चारुचन्द्रकलाधरा                | ।।५९॥  |
| चराचरजगन्नाथा चक्रराजनिकेतना                      | 1      |
| पार्वती पद्मनयना पद्मरागसमप्रभा                   | ।।६०।। |
| पञ्चप्रेतासनासीना पञ्चब्रह्मस्वरूपिग्री           | 1      |
| चिन्मयी परमानन्दा विज्ञानघनरूपिग्री               | ॥६१॥   |
| ध्यानध्यातृध्येयरूपा धर्माधर्मविवर्जिता           | 1      |
| विश्वरूपा जागरिग्री स्वपन्ती तैजसात्मिका          | ॥६२॥   |
| सुप्ता प्राज्ञात्मिका तुर्या सर्वावस्थाविवर्जिता  | 1      |
| सृष्टिकर्त्री ब्रह्मरूपा गोप्त्री गोविन्दरूपिग्री | ।।६३।। |
| संहारिगी रुद्ररूपा तिरोधानकरीश्वरी                | 1      |

| सदाशिवाऽनुग्रहदा पञ्चकृत्यपरायगा                  | ॥६४॥   |
|---|--------|
| भानुमरडलमध्यस्था भैरवी भगमालिनी                   | 1      |
| पद्मासना भगवती पद्मनाभसहोदरी                      | ।।६५॥  |
| उन्मेषनिमिषोत्पन्नविपन्नभुवनावली                  | 1      |
| सहस्रशीर्षवदना सहस्राद्वी सहस्रपात्               | ।।६६॥  |
| म्राब्रह्मकीटजननी वर्गाश्रमविधायिनी               | 1      |
| निजाज्ञारूपनिगमा पुरयापुरयफलप्रदा                 | ।।६७।। |
| श्रुतिसीमन्तसिन्दूरीकृतपादाब्जधूलिका              | 1      |
| सकलागमसन्दोहशुक्तिसम्पुटमौक्तिका                  | ।।६८।। |
| पुरुषार्थप्रदा पूर्णा भोगिनी भुवनेश्वरी           | 1      |
| म्रम्बिकाऽनादिनिधना हरिब्रह्मेन्द्रसेविता         | ।।६९॥  |
| नारायगी नादरूपा नामरूपविवर्जिता                   | 1      |
| ह्रीङ्कारी ह्रीमती हृद्या हेयोपादेयवर्जिता        | 00     |
| राजराजार्चिता राज्ञी रम्या राजीवलोचना             | 1      |
| रञ्जनी रमगी रस्या रगत्किङ्किशिमेखला               | ।।७१।। |
| रमा राकेन्दुवदना रतिरूपा रतिप्रिया                | 1      |
| रद्माकरी राद्मसन्नी रामा रमग्गलम्पटा              | ।।७२।। |
| काम्या कामकलारूपा कदम्बकुसुमप्रिया                | 1      |
| कल्यागी जगतीकन्दा करुगारससागरा                    | ।।७३।। |
| कलावती कलालापा कान्ता कादम्बरीप्रिया              | 1      |
| वरदा वामनयना वारुगीमदविह्वला                      | 118811 |
| विश्वाधिका वेदवेद्या विन्ध्याचलनिवासिनी           | 1      |
| विधात्री वेदजननी विष्णुमाया विलासिनी              | ।।७५॥  |
| न्नेत्रस्वरूपा न्नेत्रेशी न्नेत्रन्नेत्रज्ञपालिनी | 1      |
| न्नयवृद्धिविनिर्मुक्ता न्नेत्रपालसमर्चिता         | ॥७६॥   |
| विजया विमला वन्द्या वन्दारुजनवत्सला               | 1      |

| वाग्वादिनी वामकेशी वह्निमराडलवासिनी          | ७७     |
|--|--------|
| भक्तिमत्कल्पलतिका पशुपाशविमोचिनी             | 1      |
| संहृताशेषपाषरडा सदाचारप्रवर्तिका             | 119011 |
| तापत्रयाग्निसन्तप्तसमाह्लादनचन्द्रिका        | l      |
| तरुगी तापसाराध्या तनुमध्या तमोऽपहा           | ।।७९।। |
| चितिस्तत्पदलद्यार्था चिदेकरसरूपिग्री         | 1      |
| स्वात्मानन्दलवीभूतब्रह्माद्यानन्दसन्ततिः     | 00     |
| परा प्रत्यक्चितीरूपा पश्यन्ती परदेवता        | 1      |
| मध्यमा वैखरीरूपा भक्तमानसहंसिका              | ।।८१।। |
| कामेश्वरप्राग्।नाडी कृतज्ञा कामपूजिता        | l      |
| शृङ्गाररससम्पूर्णा जया जालन्धरस्थिता         | ।।८२।। |
| म्रोड्याग्पीठनिलया बिन्दुमग्डलवासिन <u>ी</u> | 1      |
| रहोयागक्रमाराध्या रहस्तर्पग्तर्पिता          | ।।८३।। |
| सद्यःप्रसादिनी विश्वसाद्गिणी साद्गिवर्जिता   | 1      |
| षडङ्गदेवतायुक्ता षाड्गुरयपरिपूरिता           | ८४     |
| नित्यक्लिन्ना निरुपमा निर्वागसुखदायिनी       | 1      |
| नित्याषोडशिकारूपा श्रीकराठार्धशरीरिसी        | ।।८५॥  |
| प्रभावती प्रभारूपा प्रसिद्धा परमेश्वरी       | 1      |
| मूलप्रकृतिरव्यक्ता व्यक्ताव्यक्तस्वरूपिग्री  | ।।८६।। |
| व्यापिनी विविधाकारा विद्याविद्यास्वरूपिगी    | 1      |
| महाकामेशनयनकुमुदाह्लादकौमुदी                 | ।।८७।। |
| भक्तहार्दतमोभेदभानुमङ्गानुसन्ततिः            | 1      |
| शिवदूती शिवाराध्या शिवमूर्तिः शिवङ्करी       | 22     |
| शिवप्रिया शिवपरा शिष्टेष्टा शिष्टपूजिता      | 1      |
| त्रप्रमेया स्वप्रकाशा मनोवाचामगोचरा          | ।।८९।। |
| चिच्छक्तिश्चेतनारूपा जडशक्तिर्जडात्मिका      | 1      |

| गायत्री व्याहृतिः सन्ध्या द्विजवृन्दनिषेविता     | ।।९०।। |
|--|--------|
| तत्त्वासना तत्त्वमयी पञ्चकोशान्तरस्थिता          | 1      |
| निस्सीममहिमा नित्ययौवना मदशालिनी                 | 118811 |
| मदघूर्शितरक्ताद्गी मदपाटलगरडभूः                  | 1      |
| चन्दनद्रवदिग्धाङ्गी चाम्पेयकुसुमप्रिया           | ॥९२॥   |
| कुशला कोमलाकारा कुरुकुल्ला कुलेश्वरी             | 1      |
| कुलकुराडालया कौलमार्गतत्परसेविता                 | ॥९३॥   |
| कुमारगणनाथाम्बा तुष्टिः पुष्टिर्मतिर्धृतिः       | 1      |
| शान्तिः स्वस्तिमती कान्तिर्नेन्दिनी विघ्ननाशिर्न | ो ॥९४॥ |
| तेजोवती त्रिनयना लोलाद्वीकामरूपिगी               | 1      |
| मालिनी हंसिनी माता मलयाचलवासिनी                  | ॥९५॥   |
| सुमुखी नलिनी सुभ्रूः शोभना सुरनायिका             | 1      |
| कालकरठी कान्तिमती द्योभिग्री सूद्रमरूपिग्री      | ।।९६॥  |
| वज्रेश्वरी वामदेवी वयोऽवस्थाविवर्जिता            | 1      |
| सिद्धेश्वरी सिद्धविद्या सिद्धमाता यशस्विनी       | ।।९७।। |
| विशुद्धिचक्रनिलयाऽऽरक्तवर्गा त्रिलोचना           | 1      |
| खट्वाङ्गादिप्रहरणा वदनैकसमन्विता                 | ।।९८।। |
| पायसान्नप्रिया त्वक्स्था पशुलोकभयङ्करी           | 1      |
| त्र्यमृतादिमहाशक्तिसंवृता डाकिन <u>ीश्</u> वरी   | 118811 |
| म्रनाहताब्जनिलया श्यामाभा वदनद्वया               | 1      |
| दंष्ट्रोज्ज्वलाऽन्नमालादिधरा रुधिरसंस्थिता       | १००    |
| कालरात्र्यादिशक्त्यौघवृता स्निग्धौदनप्रिया       | 1      |
| महावीरेन्द्रवरदा राकिरयम्बास्वरूपिगी             | ।।१०१॥ |
| मिणपूराब्जनिलया वदनत्रयसंयुता                    | 1      |
| वज्रादिकायुधोपेता डामर्यादिभिरावृता              | ॥१०२॥  |
| रक्तवर्णा मांसनिष्ठा गुडान्नप्रीतमानसा           | 1      |
| 8  |        |

| समस्तभक्तसुखदा लाकिन्यम्बास्वरूपिगी            | ।।१०३।। |
|--|---------|
| स्वाधिष्ठानाम्बुजगता चतुर्वक्त्रमनोहरा         | 1       |
| शूलाद्यायुधसम्पन्ना पीतवर्गाऽतिगर्विता         | 808     |
| मेदोनिष्ठा मधुप्रीता बन्धिन्यादिसमन्विता       | 1       |
| दध्यन्नासक्तहृदया काकिनीरूपधारिगी              | ।।१०५॥  |
| मूलाधाराम्बुजारूढा पञ्चवक्त्राऽस्थिसंस्थिता    | 1       |
| म्रङ्कुशादिप्रहरणा वरदादिनिषेविता              | ॥१०६॥   |
| मुद्गौदनासक्तचित्ता साकिन्यम्बास्वरूपिग्री     | 1       |
| म्राज्ञाचक्राब्जनिलया शुक्लवर्गा षडानना        | ।।१०७।। |
| मजासंस्था हंसवतीमुख्यशक्तिसमन्विता             | 1       |
| हरिद्रान्नैकरसिका हाकिनीरूपधारिगी              | ।।२०८।। |
| सहस्रदलपद्मस्था सर्ववर्गोपशोभिता               | 1       |
| सर्वायुधधरा शुक्लसंस्थिता सर्वतोमुखी           | 1180811 |
| सर्वौदनप्रीतचित्ता याकिन्यम्बास्वरूपिगी        | 1       |
| स्वाहा स्वधाऽमतिर्मेधा श्रुतिः स्मृतिरनुत्तमा  | \$\$0   |
| पुरयकीर्तिः पुरयलभ्या पुरयश्रवराकीर्तना        | 1       |
| पुलोमजार्चिता बन्धमोचनी बर्बरालका              | 1188811 |
| विमर्शरूपिग्री विद्या वियदादिजगत्प्रसूः        | 1       |
| सर्वव्याधिप्रशमनी सर्वमृत्युनिवारिगी           | ॥११२॥   |
| म्रग्रगग्याऽचिन्त्यरूपा कलिकल्मषनाशिन <u>ी</u> | 1       |
| कात्यायनी कालहन्त्री कमलान्ननिषेविता           | 1188311 |
| ताम्बूलपूरितमुखी दाडिमीकुसुमप्रभा              | 1       |
| मृगाद्गी मोहिनी मुख्या मृडानी मित्ररूपिग्री    | 1188811 |
| नित्यतृप्ता भक्तनिधिर्नियन्त्री निखिलेश्वरी    | 1       |
| मैत्र्यादिवासनालभ्या महाप्रलयसाद्गिर्गी        | ॥११५॥   |
| परा शक्तिः परा निष्ठा प्रज्ञानघनरूपिग्री       | 1       |
| 9  |         |

| माध्वीपानालसा मत्ता मातृकावर्गरूपिगी            | ॥११६॥   |
|---|---------|
| महाकैलासनिलया मृगालमृदुदोर्लता                  | 1       |
| महनीया दयामूर्तिर्महासाम्राज्यशालिनी            | ।।११७।। |
| म्रात्मविद्या महाविद्या श्रीविद्या कामसेविता    | 1       |
| श्रीषोडशाद्वरीविद्या त्रिकूटा कामकोटिका         | ॥११८॥   |
| कटाचनिङ्करीभूतकमलाकोटिसेविता                    | 1       |
| शिरःस्थिता चन्द्रनिभा भालस्थेन्द्रधनुःप्रभा     | 1155511 |
| हृदयस्था रविप्रख्या त्रिकोगान्तरदीपिका          | 1       |
| दान्नायगी दैत्यहन्त्री दन्नयज्ञविनाशिनी         | ॥१२०॥   |
| दरान्दोलितदीर्घां दरहासोज्ज्वलन्मुखी            | 1       |
| गुरुमूर्तिर्गुरानिधिर्गोमाता गुहजन्मभूः         | ॥१२१॥   |
| देवेशी दराडनीतिस्था दहराकाशरूपिगी               | 1       |
| प्रतिपन्मुख्यराकान्ततिथिमगडलपूजिता              | ાાકકશા  |
| कलात्मिका कलानाथा काव्यालापविनोदिनी             | 1       |
| सचामररमावागीसव्यदित्तग्सेविता                   | ॥१२३॥   |
| म्रादिशक्तिरमेयात्मा परमा पावनाकृतिः            | 1       |
| म्रनेककोटिब्रह्माग्डजननी दिव्यविग्रहा           | 1185811 |
| क्लीङ्कारी केवला गुह्या कैवल्यपददायिनी          | 1       |
| त्रिपुरा त्रिजगद्दन्द्या त्रिमूर्तिस्विदशेश्वरी | ॥१२५॥   |
| त्र्यत्तरी दिव्यगन्धाढ्या सिन्दूरतिलकाञ्चिता    | 1       |
| उमा शैलेन्द्रतनया गौरी गन्धर्वसेविता            | ॥१२६॥   |
| विश्वगर्भा स्वर्गगर्भाऽवरदा वागधीश्वरी          | 1       |
| ध्यानगम्याऽपरिच्छेद्या ज्ञानदा ज्ञानविग्रहा     | ાાકરળા  |
| सर्ववेदान्तसंवेद्या सत्यानन्दस्वरूपिगी          | 1       |
| लोपामुद्रार्चिता लीलाक्लृप्तब्रह्मारडमरडला      | ॥१२८॥   |
| ग्रदृश्या दृश्यरहिता विज्ञात्री वेद्यवर्जिता    |         |

| योगिनी योगदा योग्या योगानन्दा युगन्धरा           | ॥१२९॥   |
|--|---------|
| इच्छाशक्तिज्ञानशक्तिक्रियाशक्तिस्वरूपिग्री       | 1       |
| सर्वाधारा सुप्रतिष्ठा सदसद्रूपधारिगाी            | ॥१३०॥   |
| म्रष्टमूर्तिरजाजेत्री लोकयात्राविधायिनी          | 1       |
| एकाकिनी भूमरूपा निर्देशता दैतवर्जिता             | 1183811 |
| म्रन्नदा वसुदा वृद्धा ब्रह्मात्मैक्यस्वरूपिगी    | 1       |
| बृहती ब्राह्मणी ब्राह्मी ब्रह्मानन्दा बलिप्रिया  | ॥१३२॥   |
| भाषारूपा बृहत्सेना भावाभावविवर्जिता              | 1       |
| सुखाराध्या शुभकरी शोभना सुलभा गतिः               | 1183311 |
| राजराजेश्वरी राज्यदायिनी राज्यवह्नभा             | 1       |
| राजत्कृपा राजपीठनिवेशितनिजाश्रिता                | 1183811 |
| राज्यलद्मीः कोशनाथा चतुरङ्गबलेश्वरी              | 1       |
| साम्राज्यदायिनी सत्यसन्धा सागरमेखला              | ।।१३५॥  |
| दीद्विता दैत्यशमनी सर्वलोकवशङ्करी                | 1       |
| सर्वार्थदात्री सावित्री सिचदानन्दरूपिगी          | ॥१३६॥   |
| देशकालापरिच्छिन्ना सर्वगा सर्वमोहिनी             | 1       |
| सरस्वती शास्त्रमयी गुहाम्बा गुहारूपिगी           | ।।१३७।। |
| सर्वोपाधिविनिर्मुक्ता सदाशिवपतिव्रता             | 1       |
| सम्प्रदायेश्वरी साध्वी गुरुमग्डलरूपिग्री         | ।।१३८।। |
| कुलोत्तीर्गा भगाराध्या माया मधुमती मही           | 1       |
| गगाम्बा गुह्यकाराध्या कोमलाङ्गी गुरुप्रिया       | ॥१३९॥   |
| स्वतन्त्रा सर्वतन्त्रेशी दित्तर्गामूर्तिरूपिग्री | 1       |
| सनकादिसमाराध्या शिवज्ञानप्रदायिनी                | 1158011 |
| चित्कलाऽऽनन्दकलिका प्रेमरूपा प्रियङ्करी          | 1       |
| नामपारायगप्रीता नन्दिविद्या नटेश्वरी             | 1188811 |
| मिथ्याजगदधिष्ठाना मुक्तिदा मुक्तिरूपिग्री        | 1       |

| लास्यप्रिया लयकरी लजा रम्भादिवन्दिता           | ॥१४२॥   |
|--|---------|
| भवदावसुधावृष्टिः पापारग्यदवानला                | 1       |
| दौर्भाग्यतूलवातूला जराध्वान्तरविप्रभा          | 1188311 |
| भाग्याब्धिचन्द्रिका भक्तचित्तकेकिघनाघना        | 1       |
| रोगपर्वतदम्भोलिर्मृत्युदारुकुठारिका            | 1188811 |
| महेश्वरी महाकाली महाग्रासा महाशना              | 1       |
| ग्रपर्णा चरिडका चरडमुरडासुरनिषूदनी             | 1188411 |
| द्वराद्वरात्मिका सर्वलोकेशी विश्वधारिगी        | 1       |
| त्रिवर्गदात्री सुभगा त्र्यम्बका त्रिगुणात्मिका | ।।३४६॥  |
| स्वर्गापवर्गदा शुद्धा जपापुष्पनिभाकृतिः        | 1       |
| म्रोजोवती द्युतिधरा यज्ञरूपा प्रियव्रता        | ।।१४७।। |
| दुराराध्या दुराधर्षा पाटलीकुसुमप्रिया          | 1       |
| महती मेरुनिलया मन्दारकुसुमप्रिया               | 1138511 |
| वीराराध्या विराड्रूपा विरजा विश्वतोमुखी        | 1       |
| प्रत्यग्रूपा पराकाशा प्राग्गदा प्राग्ररूपिग्री | 1158311 |
| मार्ताराडभैरवाराध्या मन्त्रिगीन्यस्तराज्यधूः   | 1       |
| त्रिपुरेशी जयत्सेना निस्त्रैगुरया परापरा       | ।।१५०।। |
| सत्यज्ञानानन्दरूपा सामरस्यपरायणा               | 1       |
| कपर्दिनी कलामाला कामधुक् कामरूपिग्री           | ।।१५१॥  |
| कलानिधिः काव्यकला रसज्ञा रसशेवधिः              | 1       |
| पुष्टा पुरातना पूज्या पुष्करा पुष्करेन्नगा     | ॥१५२॥   |
| परं ज्योतिः परं धाम परमागुः परात्परा           | 1       |
| पाशहस्ता पाशहन्त्री परमन्त्रविभेदिनी           | ।।१५३।। |
| मूर्ताऽमूर्ताऽनित्यतृप्ता मुनिमानसहंसिका       | 1       |
| सत्यव्रता सत्यरूपा सर्वान्तर्यामिनी सती        | ।।१५४॥  |
| ब्रह्माग्री ब्रह्म जननी बहुरूपा बुधार्चिता     | 1       |
| 10   |         |

| प्रसवित्री प्रचरडाऽऽज्ञा प्रतिष्ठा प्रकटाकृतिः | ।।१५५॥  |
|--|---------|
| प्रागेश्वरी प्रागदात्री पञ्चाशत्पीठरूपिगी      | 1       |
| विशृङ्खला विविक्तस्था वीरमाता वियत्प्रसूः      | ।।१५६॥  |
| मुकुन्दा मुक्तिनिलया मूलविग्रहरूपिगी           | 1       |
| भावज्ञा भवरोगघ्नी भवचक्रप्रवर्तिनी             | ।।१५७॥  |
| छन्दःसारा शास्त्रसारा मन्त्रसारा तलोदरी        | 1       |
| उदारकीर्तिरुद्दामवैभवा वर्गारूपिगी             | ।।१५८।। |
| जन्ममृत्युजरातप्तजनविश्रान्तिदायिनी            | 1       |
| सर्वोपनिषदुद्घुष्टा शान्त्यतीतकलात्मिका        | ।।१५९॥  |
| गम्भीरा गगनान्तस्था गर्विता गानलोलुपा          | 1       |
| कल्पनारहिता काष्ठाऽकान्ता कान्तार्धविग्रहा     | ।।१६०।। |
| कार्यकारगिनिर्मुक्ता कामकेलितरङ्गिता           | 1       |
| कनत्कनकताटङ्का लीलाविग्रहधारिग्री              | ।।१६१॥  |
| त्रजा त्तयविनिर्मुक्ता मुग्धा त्तिप्रप्रसादिनी | 1       |
| ग्रन्तर्मुखसमाराध्या बहिर्मुखसुदुर्लभा         | ॥१६२॥   |
| त्रयी त्रिवर्गनिलया त्रिस्था त्रिपुरमालिनी     | 1       |
| निरामया निरालम्बा स्वात्मारामा सुधासृतिः       | ।।१६३।। |
| संसारपङ्कनिर्मग्नसमुद्धरगपिरडता                | 1       |
| यज्ञप्रिया यज्ञकर्जी यजमानस्वरूपिगी            | ।।१६४॥  |
| धर्माधारा धनाध्यद्मा धनधान्यविवर्धिनी          | 1       |
| विप्रप्रिया विप्ररूपा विश्वभ्रमग्रकारिग्री     | ।।१६५॥  |
| विश्वग्रासा विद्रुमाभा वैष्णवी विष्णुरूपिग्री  | 1       |
| ग्रयोनियोनिनिलया कूटस्था कुलरूपिगी             | ।।१६६॥  |
| वीरगोष्ठीप्रिया वीरा नैष्कर्म्या नादरूपिग्री   | 1       |
| विज्ञानकलना कल्या विदग्धा बैन्दवासना           |         |
| विज्ञानकलना कल्या विदंग्या बन्दवासना           | ।।१६७।। |

| सामगानप्रिया सौम्या सदाशिवकुटुम्बिनी              | ।।१६८।। |
|---|---------|
| सव्यापसव्यमार्गस्था सर्वापद्विनिवारिग्री          | 1       |
| स्वस्था स्वभावमधुरा धीरा धीरसमर्चिता              | ।।१६९॥  |
| चैतन्यार्घ्यसमाराध्या चैतन्यकुसुमप्रिया           | 1       |
| सदोदिता सदातुष्टा तरुगादित्यपाटला                 | 119011  |
| दित्तगादित्तगाराध्या दरस्मेरमुखाम्बुजा            | 1       |
| कौलिनीकेवलाऽनर्घ्यकैवल्यपददायिनी                  | ।।१७१॥  |
| स्तोत्रप्रिया स्तुतिमती श्रुतिसंस्तुतवैभवा        | 1       |
| मनस्विनी मानवती महेशी मङ्गलाकृतिः                 | ।।१७२॥  |
| विश्वमाता जगद्धात्री विशालाद्गी विरागिगी          | 1       |
| प्रगल्भा परमोदारा परामोदा मनोमयी                  | ।।१७३।। |
| व्योमकेशी विमानस्था वज्रिग्री वामकेश्वरी          | 1       |
| पञ्चयज्ञप्रिया पञ्चप्रेतमञ्चाधिशायिनी             | 1180811 |
| पञ्चमी पञ्चभूतेशी पञ्चसङ्घ्योपचारिगी              | 1       |
| शाश्वती शाश्वतैश्वर्या शर्मदा शम्भुमोहिनी         | ।।१७५॥  |
| धरा धरसुता धन्या धर्मिग्री धर्मवर्धिनी            | 1       |
| लोकातीता गुणातीता सर्वातीता शमात्मिका             | ।।३७६।। |
| बन्धूककुसुमप्रख्या बाला लीलाविनोदिनी              | 1       |
| सुमङ्गली सुखकरी सुवेषाढ्या सुवासिनी               | ।।१७७।। |
| सुवासिन्यर्चनप्रीताऽऽशोभना शुद्धमानसा             | 1       |
| बिन्दुतर्पग्सन्तुष्टा पूर्वजा त्रिपुराम्बिका      | 1130511 |
| दशमुद्रासमाराध्या त्रिपुराश्रीवशङ्करी             | 1       |
| ज्ञानमुद्रा ज्ञानगम्या ज्ञानज्ञेयस्वरूपिग्री      | ।।१७९॥  |
| योनिमुद्रा त्रिखराडेशी त्रिगुर्गाऽम्बा त्रिकोरागा | 1       |
| ग्रनघाऽद्भुतचारित्रा वाञ्छितार्थप्रदायिनी         | ।।१८०।। |
| ग्रभ्यासातिशयज्ञाता षडध्वातीतरूपिगी               | 1       |

ग्रव्याजकरुगामूर्तिरज्ञानध्वान्तदीपिका ॥१८१॥ ग्राबालगोपविदिता सर्वानुह्मङ्घ्यशासना । श्रीचक्रराजनिलया श्रीमित्त्रपुरसुन्दरी ॥१८२॥ श्रीशिवा शिवशक्त्यैक्यरूपिगी लिलताम्बिका । एवं श्रीलिलतादेव्या नाम्नां साहस्रकं जगुः ॥१८३॥

इति श्रीब्रह्माग्डपुरागे उत्तरखग्डे श्रीहयग्रीवागस्त्यसंवादे श्रीललिताम्बिकासहस्रनामस्तोत्रकथनं नाम मध्यभागः ॥

Variant Readings: (९) दशन / रदन (११) सल्लाप / संलाप (१२) चुबुक / चिबुक (२०) शिञ्जान / सिञ्जान (४८) निस्संशया / निःसंशया (५८) चतुः / चतुष् (७८) पाषगडा / पाखगडा (९१) निस्सीमा / निःसीमा (१११) बर्बरालका / बन्धुरालका (१२३) विनोदिनी / विमोदिनी (१६३) सृतिः / स्रुतिः (१६४) निर्मग्न / निर्भग्न (१६८) सौम्या / सोम्या